तर्ज- तेरे चेहरे से नजर नहीं हटती
तेरे दर बिना प्यास नहीं बुझती,
द्वारे हम क्या देखें
झूठी दुनियां अब अच्छी नहीं लगती
नजारे हम क्या देखें
1- तेरा मिलन हो धनी,रूह चैन पाती है-2
तेरी जुदाई हमें, बहुत तड़पाती है-2
जैसे जल बिन मछली तड़पती
सहारे हम क्या देखें
2- दूल्हा के बिना जैसे,बारात अधूरी है-2
बिना सनमंध,कोई बात न पूरी है-2
बिना दूल्हा के दुल्हन नहीं सजती
नजारे हम क्या देखें
3- सतगुरू बन के मेरे,धाम दुल्हा आये हैं-2
रूहों की खातिर,कितने कष्ट उठाये हैं-2
पिया तेरे बिना रात नहीं ढलती
सितारे हम क्या देखें

Nijanand App